NEED 24 NEWS
हर खबर, हर शहर

ताज़ा खबर | वर्ष-01 अंक-178 | संपादक: Mukesh Giri | 27 जून 2026

उत्कल गौरव ओडिशा

विज़नेस

ओडिशा के सीएम ने राज्य को पूर्वी भारत का औद्योगिक केंद्र बताया, 24,823 करोड़ रुपये के एमओयू पर हस्ताक्षर

ओडिशा के मुख्यमंत्री ने सीआईआई पूर्वी क्षेत्र परिषद की बैठक में शीर्ष उद्योगपतियों से मुलाकात की, जिसमें थ्रस्ट सेक्टर और गो-ईस्ट पहल की घोषणा की गई। राज्य का लक्ष्य पूर्वी भारत में औद्योगिक विकास के लिए एक मंच बनना है।

ओडिशा के मुख्यमंत्री ने राज्य को पूर्वी भारत में औद्योगिक विस्तार के लिए एक प्रमुख मंच के रूप में स्थापित किया है। यह घोषणा ओडिशा में पहली बार आयोजित भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) पूर्वी क्षेत्र परिषद की बैठक के दौरान की गई। इस कार्यक्रम में 230 से अधिक उद्योग प्रतिनिधियों ने भाग लिया। बैठक के दौरान, मुख्यमंत्री ने क्षेत्र में आर्थिक विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एक नया 'थ्रस्ट सेक्टर' फोकस और 'गो-ईस्ट इनिशिएटिव' का अनावरण किया। ये पहलें ओडिशा की एक महत्वपूर्ण औद्योगिक केंद्र बनने की प्रतिबद्धता को रेखांकित करती हैं। राज्य की औद्योगिक संभावनाओं को और मजबूत करते हुए, 24,823 करोड़ रुपये के महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापनों (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। इन समझौतों से ओडिशा और व्यापक पूर्वी क्षेत्र के भीतर निवेश को बढ़ावा मिलने और रोजगार के अवसर पैदा होने की उम्मीद है।

स्रोत: Pragativadi

चित्र: Pragativadi (via NewsData)

देश

ओडिशा विजिलेंस ने ₹80,000 की रिश्वत लेते रंगेहाथ पकड़ा पशुधन निरीक्षक

चित्र: Pragativadi (via NewsData)

भ्रष्टाचार के खिलाफ एक बड़ी कार्रवाई में, ओडिशा विजिलेंस विभाग ने नबरंगपुर जिले के रायगढ़ में तैनात पशुधन निरीक्षक प्रफुल्ल हल्दर को गिरफ्तार किया है। यह गिरफ्तारी तब हुई जब हल्दर कथित तौर पर ₹80,000 की रिश्वत स्वीकार कर रहे थे। यह रिश्वत राशि एक डेयरी किसान से मांगी गई थी। सूत्रों के अनुसार, यह भुगतान मुख्यमंत्री कामधेनु योजना के तहत सब्सिडी जारी करने के लिए एक शर्त के तौर पर लिया जा रहा था। विजिलेंस टीम ने लेन-देन के दौरान ही निरीक्षक को रंगेहाथ पकड़ा। विजिलेंस विभाग की इस कार्रवाई से सरकारी सेवाओं में व्याप्त भ्रष्टाचार से निपटने के चल रहे प्रयासों को बल मिला है। सब्सिडी योजना और आगे की जांच के संबंध में विस्तृत जानकारी की प्रतीक्षा है।

स्रोत: Pragativadi

देश

ऋण न चुकाने पर ओडिशा में एक परिवार के पांच सदस्य घर सील होने के बाद गौशाला में रहने को मजबूर

ओडिशा में एक हृदयविदारक घटना सामने आई है, जहां ₹13 लाख के एक अनपेक्षित ऋण के कारण एक परिवार को अपना दो मंजिला घर छोड़ना पड़ा। बैंक ने घर को सील कर दिया है, जिससे विधवा मां, छोटा बेटा, उसकी पत्नी और दो पोते-पोतियां बेघर हो गए हैं। परिवार ने अब आश्रय के लिए एक गौशाला का सहारा लिया है, जो कभी मवेशियों के लिए इस्तेमाल होता था। यह गंभीर स्थिति परिवार द्वारा सामना की जा रही वित्तीय संकट को दर्शाती है, जिसने उनके कभी खुशहाल घर को एक बंद संपत्ति में बदल दिया है। घर के सील होने और नीलामी की प्रतीक्षा में, परिवार अनिश्चितत...

स्रोत: Otv News

खबरें एआई द्वारा स्रोतों से संकलित। चित्र स्रोत सहित।